NH Notes - 03

चौधरी छोटूराम - हीरक जयंती

चौधरी छोटूराम का 61वा जन्म दिन प्रथम मार्च सन 1942 को जाट हाई स्कूल (रोहतक) के मैदान पर हीरक जयंती के रूप मे मनाया गया था| जिन महत्वपूर्ण लोगो ने इस मे भाग लिया उन मे भरतपुर के महाराजा सवाई बृजेन्द्र सिंह, सर सेठ छाजूराम और सभी धर्मावलम्बी जाट दो लाख से अधिक शामिल थे| उत्सव की अध्यक्षता पंजाब के प्रधान मंत्री सर सिकंदर हयात खां ने की| इकसठ हजार रूपये की राशि चौधरी साहब को भेंट की गई|

इस अवसर पर चौधरी छोटूराम द्वारा दिये गए भाषण मे उन्होने युवाओ को जो संदेश दिया उसका अंश यहा लिखा रहा हूँ –

1) उस समय तक शांति से, निश्चलता से, गंभीरता से सोचते रहो जब तक तुम्हारा उद्देश्य तुम्हारे सामने प्रकट न हो जाए| जब उद्देश्य एक बार स्पष्ट रूप से निश्चित हो गया तो अपनी दृष्टि दृढ़तापूर्वक इस पर टीका कर कठिनाइयों से बिना विचले, पराजय से बिना निराश हुए, व्यवधानों से बिना डरे और विरोधियों के चिढ़ाने से बिना खिन्न हुए, इस का अनुसरण करो;

2) धर्म को राजनीति से दूर रखो| धर्म (मजहब) निहित स्वार्थो वाले चालबाज लोगो द्वारा, आप को स्पष्ट एवं स्वतंत्र चिन्तन के मार्ग से दूर रखने के लिए आप को पिलाई जाने वाली वार्निश हैं – नशीली दावा हैं;

3) बहुमत के निर्णय के आगे नतमस्तक हो जाओ – जैसे कि यह स्वेच्छा और स्वविवेक से किया गया आप का अपना फैसला हो;

4) व्यक्ति के हितों को समाज के हितों से नीचे (दोयम दर्जे के) मानने का सुचारु ढंग से निरंतर अभ्यास करते रहो-जब तक यह एक स्थायी आदत न बन जाए ;

5) एक बार दे दिये जाने पर नेता के आदेश का पालन बिना सवाल उठाए करो;

6) यदि तुम किसी पिछड़ी जाति से हो तो किसी बाहर वाले का नेत्रत्व स्वीकार करने से दृढ़तापूर्वक इंकार कर दो| बाहर के लोगो के नेत्रत्व मे चलने वाले लोगो मे स्वतन्त्रता-प्रियता, स्वाभिमान, आत्म-गौरव, आत्म-सम्मान, स्वयं-सहायता का भाव और स्वावलम्बन आदि उन महान गुणों का विकास कभी नहीं हो सकता जो अकेले ही सफलता और प्रगति की कुंजी थामे हुए हैं|

Courtesy: Rakesh Sangwan
Publisher: Nidana Heights

Dated: 05/11/2014